# सिनेमा हॉल में मस्ती गोदाम में चुदाई

“मेरी मंगेतर पहले मेरी असिस्टेंट थी. मैंने उसे पटाया. विवाह से पहले हम चोरी छुपे खूब मिला कर मस्तियाँ मारा करते थे. इनमें से एक किस्सा कुछ ऐसा हुआ जो बताने लायक है. …”

**Story By: vikram reena (vikramreena)**
**Posted: Wednesday, May 1st, 2019**
**Categories: [हिंदी सेक्स स्टोरी]**
**Online version: [सिनेमा हॉल में मस्ती गोदाम में चुदाई]**


***Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire***

# सिनेमा हॉल में मस्ती गोदाम में चुदाई

⍰ यह कहानी सुनें
मेरी पिछली सेक्स कहानी
भाभी ने घर बुला कर मेरे लन्ड का शिकार किया
आप सभी ने पसंद की, धन्यवाद.

जैसा कि आपने मेरी सबसे पहली कहानी
ऑफिस की लड़की की जबरदस्त चुदाई के बाद…
में पढ़ा कैसे मैंने रीना को पटाया फिर चोदा और प्रेम विवाह भी किया. विवाह से कुछ दिन पहले हम चोरी छुपे खूब मिला करते थे और मस्तियाँ भी मारा करते थे. इनमें से एक किस्सा कुछ ऐसा हुआ जो बताने लायक है.

मैं विक्रम जयपुर में रहता हूँ. कद 5’11” उम्र 30 साल है. रंग सांवला और अच्छी कद काठी है. मेरी मंगेतर का नाम रीना है जो सगाई से पहली मेरी ऑफिस असिस्टेंट हुआ करती थी. इनका कद 5 फुट 3 इंच है, उम्र 23 रंग गेहुआ, दुबला पतला कामुक शरीर जो हमेशा काम क्रिया के लिए तैयार ही बैठा रहता है.

सगाई हो जाने के बाद जैसा की गांव में होता हैं लड़का और लड़की को शादी के पहले तक मिलने नहीं दिया जाता. इसी वजह से में रीना से काफी दिनों तक मिला नहीं था और उसके प्रेम वियोग में जयपुर शहर में तड़प रहा था. शादी का इंतज़ार बहुत लम्बा लग रहा था.

एक रात मैंने रीना को फ़ोन किया और कहा- कितने दिन हो गए है, तुम्हारा खूबसूरत चाँद सा मुखड़ा देखे हुए, तड़प तड़प के मेरा तो जी बेहाल है.
रीना ने कहा :

जाने कहा मेरा जिगर गया जी
अभी अभी यहीं किधर गया जी !

मैंने कहा- उफ़ ... तुम्हें तो सब मजाक ही सूझता है, जाओ बात नहीं करनी मुझे.
रीना ने कहा- ओहो नाराज़ क्यों होते हो बोलो न !
मैंने कहा- मुझे तुमसे मिलना है. कैसे भी करके मिलो न !
रीना- आप पागल हो गए हो ? शादी के पहले तक तो बिल्कुल नहीं. किसी ने देख लिया तो ?
मैंने कहा- अब मैं नहीं जानता, कोई भी उपाय लगाओ.

फिर थोड़ी देर तक रीना शांत रही और सोचने के बाद कहा- ठीक है, कोई बहाना मार के आ तो जाऊँगी. पर तुम अपने पड़ोसी और रिश्तेदारों से कैसे छुपाओगे मुझे ?
कुछ देर सोचने के बाद एक जोरदार सा आइडिया मेरे दिमाग में आया और मैंने कहा- मैं सब संभाल लूंगा, तुम बस आ जाओ.

अगले दिन फिर रीना सुबह साढ़े ग्यारह बजे आ गयी, मैंने उसे अपनी बाइक पे बिठाया.
जैसा कि वो सहेली की सगाई का बतला कर आयी थी तो आज मस्त हरे रंग का घागरा चुन्नी डाले हुई थी. पूरी कामरूपवती अप्सरा लग रही थी, जैसे राजमहलों की रानियां होती हैं.
मैं उसे टकटकी लगा कर निहारते रहा.

तभी वो इठलाते हुए बोली- घर पे झूठ बोल के आयी हूँ कि सहली आज सगाई है जयपुर में, शाम तक गांव पहुंच पड़ेगा, तो क्या प्लान किया ?
मैंने कहा- बस देखती जाओ मेरी जान !

मैं उसे सीधे सिनेमा हॉल में ले गया, दो टिकट लिए पिछली कोने की सीटों के ... फिर एक

हॉलीवुड मूवी देखने लगे. क्यूंकि आज बुधवार था और दोपहर का शो था तो सिनेमा हॉल लगभग पूरा खाली ही था आगे की सीटों पर कुछ ही लोग बैठे थे.

थोड़ी देर बाद मुझे शरारत सूझी और मैंने अपना एक हाथ रीना की कोमल जांघों पर बढ़ाया और हल्के हल्के उसकी कोमल मखमली जाँघें सहलाने लगा. उसने मेरा विरोध बिल्कुल नहीं किया उलटे मजा लेने लगी.

मैं उसके घाघरे के ऊपर से सहला रहा था. फिर मैंने उसकी नंगी कमर पे अपना हाथ चलना शुरू किया. वो हल्के हल्के सिसकारी लेने लगी. आखिर कितनो दिनों बाद उसे मेरे स्पर्श का एहसास जो हो रहा था.

उसकी पतली कमर का पूरा मज़ा लेने के बाद मेरे हाथ उसके वक्षस्थल यानि की बूब्स पर जाने लगे. अब मस्ती उसे भी चढ़ चुकी थी वो भी मेरे पैन्ट के ऊपर से मेरे खड़े लिंग को दबा रही थी.

तभी मैंने अपनी पैन्ट की चैन खोल दी और फिर उसने मेरे लिंग को चैन से बाहर निकाल लिया. वो मेरे लंड को आगे पीछे करने लगी. मेरे लंड का गुलाबी मोटा और रसीला सुपारा उसको ललचा रहा था.

मैंने भी मौके का भरपूर फायदा उठाया और उसके घाघरे का नाड़ा खोल दिया और अपना हाथ उसकी पैन्टी के अंदर डाल दिया. अब मेरा हाथ उसकी योनि जिसे चूत भी कहते हैं, उस पे था. उसकी चुत पानी छोड़ रही थी और एकदम रसीली सी हो रही थी.

रीना से काबू न हो पाया उसने आजू-बाजू देखा कि अँधेरा है और कोई देख नहीं रहा. तो वो झुक गयी और अपना मुँह मेरे लिंग के पास ले आयी. उसने गप से लंड के सुपारे को मुँह में लिया और चूसने लगी. वो मेरे लंड को चूसने और अपनी जीभ से चाटने भी लगी. मैं भी

उसकी चुत में उंगली डाल चुका था.

अब वो जोर जोर से लंड को चूसती और मैं चुत में उंगली अंदर बाहर करके उसे मज़ा देता. तभी मूवी में इंटरवल हो गया जिसके कारण हल्का हल्का उजाला आने लगा. हम दोनों तुरंत अलग हुए और कपड़े ठीक करने लगे.

रीना मेरे कान में फुसफुसायी- कुछ हो नहीं सकता क्या ?
मैंने कहा- चाहो तो बहुत कुछ हो सकता है. न चाहो तो कुछ भी नहीं.

हम दोनों सिनेमा हॉल से बाहर आ गए. फिर मैंने उसको अपनी दुकान पर ही चलने को कहा. जैसा कि मेरी कहानी 'ऑफिस की लड़की की जबरदस्त चुदाई के बाद…' में आपने पढ़ा था कि मेरा कंप्यूटर और मोबाइल का शॉप और गोदाम है. मैं उसको चोरी छुपे ले गया अंदर गोदाम में और उसके बदन पर टूट पड़ा.

फटफट उसका घाघरा खोला और अपनी पैंट शर्ट उतर फेंकी. हम दोनों सम्पूर्ण नग्न अवस्था में थे. मैंने अपने लिंग को उसकी चुत के ऊपर से रगड़ा और रगड़ता रहा.

वो सीत्कार भरने लगी और बोली- जल्दी से डाल दीजिए न अंदर !
मैंने आव देखा न ताव … एक झटके में लंड को चुत में पेल दिया. उसने मेरी पीठ पे हाथ रखे हुए थे तो मेरी पीठ को उसने अपने नाखूनों से खरोंच दिया था.

अब मैंने धक्के देने शुरू किये जोर जोर से …
और वो चिल्लाने लगी- चोद मेरे विक्रम चोद चोद चोद चोद … मैं तो निहाल हो गयी आपको पाकर !

अब मेरे धक्को की स्पीड बढ़ती जा रही थी. तभी मैंने एक जोरदार सा झटका मारा, मेरा लंड उसकी बच्चेदानी पे जा भिड़ा. उसके चेहरे पे लगा काजल और उसके बाल सब बिखर

गए थे.

तभी मैंने इशारा किया और अपना लंड उसकी चुत से बाहर निकला और उसके मुँह में घुसा दिया और अपना वीर्य उसके मुख में छोड़ने लगा.
फिर धीरे धीरे मेरा लंड ढीला होने लगा और मैंने उसके मुँह से बाहर निकाल लिया.
वो मेरा वीर्य स्वाद ले लेकर पीने लगी और बोली- आई लव यू सो मच जानू.

फिर हमने एक कॉफी शॉप जाकर एक अच्छी सी कॉफी पी और मैं उसे शाम की 5 बजे वाली बस में चढ़ा कर आ गया.

इस घटना के ठीक एक महीने बाद हमारी शादी हो गयी. फिर हम दार्जीलिंग गए हनीमून मनाने जो आप पहले ही मेरी कहानी
दार्जीलिंग में मस्त चुदाई भरा हनीमून
में पढ़ चुके हैं.

आशा है आपको हमारी ये मधुर काम लीला खूब पसंद आयी होगी तो आप अपने सुझाव हमारे नीचे दिए गए ईमेल पर लिख कर भेजे.
vikramreena@hotmail.com

# Other stories you may be interested in

## एक्सिडेंट से मिली भाभी की चूत

दोस्तो, मेरा नाम रोहन है, मैं दिल्ली का रहने वाला हूँ. मेरी उम्र 22 साल की है और हाइट भी ठीक ठाक है. मेरे लंड का साइज़ 8 इंच लंबा और गोलाई में नापा जाए तो 5 इंच की परिधि [...]

Full Story >>>

## ट्रक में चुद कर सुहागरात मना ली

ये बात तब की है, जब मैं 18 साल का था. मैं जयपुर में पढ़ता था. मैं हर दूसरे महीने अपने घर उदयपुर आ जाया करता था. कुल नौ दस घंटे का रास्ता था, तो दिन में चार बजे की [...]

Full Story >>>

## स्कूल टीचर के साथ सेक्स

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम जिग्नेश है और मैं गुजरात के एक शहर में रहता हूं. आज मैं अपनी दूसरी कहानी के साथ हाज़िर हूँ. मेरे बारे में बता दूँ कि मैं पतला और लंबा इंसान हूँ और लंड भी ठीक [...]

Full Story >>>

## हिंदी सेक्स कहानी : आधी रात में गर्लफ्रेंड की चूत चुदाई

मेरी हिंदी सेक्स कहानी मेरी और मेरे पड़ोस रहने वाली लड़की की पहली चुदाई की है. यह सच्ची सेक्स कहानी मैं आपके सामने शुरुआत से लेकर आ रहा हूँ कि कैसे मैंने उसे पटाया और उसकी जमकर चुदाई की. मेरा [...]

Full Story >>>

## दिल्ली से लखनऊ के सफ़र में मिली छोकरी

दोस्तो, मेरा नाम रोहन है, मैं लखनऊ से हूँ और दिल्ली में रहता हूं। दिल्ली में अपनी पढ़ाई कर रहा हूँ। और मैं एक जिंगोलो हू ये काम मैं 1 साल से कर रहा हूँ। मैंने आज तक 100+ लड़कियां [...]

Full Story >>>